खइके पान बनारस वाला . . .

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

आइये आज चर्चा करते हैं हिंदी फ़िल्म इतिहास के सर्वाधिक लोकप्रिय गीतों में से एक गीत 'खइके पान बनारस वाला' के गीतकार लालजी पांडेय के बारे में .

दोस्तों मुमकिन है ये नाम आपका सुना हुआ न हो, पर लालजी पांडेय हिंदी फिल्म संगीत जगत के एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय गीतकार थे, जिनका लोकप्रिय नाम 'अनजान' था, आज की नई पीढ़ी के श्रोता उन्हें प्रसिद्ध गीतकार 'समीर' के पिता के तौर पर जानते हैं.

अंजान ने अपने सरल, सहज और भावना पूर्ण शब्दों के माध्यम से हिंदी सिनेमा को लगातार कई वर्षों तक सैंकड़ो यादगार गीत दिए. उन्हें बचपन से ही साहित्य और कविता का बड़ा शौक था. 1950 के दशक में वे अपनी किस्मत आजमाने बम्बई आए. यहाँ उनके करियर की शुरुआत 1953 में फिल्म 'गोलकुंडा का कैदी' से हुई, जिसके लिए उन्होंने 'लहर ये डोले कोयल बोले' और 'शहीदों अमर है तुम्हारी कहानी' जैसे गीत लिखे, मगर दुर्भाग्य यह रहा कि फिल्म चली नहीं और उनके संघर्ष का एक लंबा सिलसिला शुरू हुआ. फिर उन्हें महान सितार वादक पंडित रविशंकर की फिल्म 'गोदान' में मौका मिला. रविशंकर जैसे विद्वान और महान संगीतज्ञ के साथ काम करना ही अपने आपने बहुत सम्मान की बात थी. यह फिल्म मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी गोदान पर बनी थी. इस फिल्म का गाना 'पिपरा के पटवा सरीखे डोले मनवा' बहुत मशहूर हुआ था, फिर 1969 में उन्हें राजेश खन्ना और मुमताज की फिल्म 'बंधन' मिली. इस फिल्म के गाने 'बिना बदरा के बिजुरिया कैसे चमके' ने उन्हें पहचान दिलाई . इस फिल्म के साथ ही उनका कल्याणजी आनंदजी के साथ गीत लिखने का सफ़र शुरू हुआ और फिर आगे जाकर 1978 में उन्होंने कल्याणजी आनंदजी के साथ फ़िल्म डॉन के लिये अपने कैरियर का सबसे लोकप्रिय गाना 'खइके पान बनारस वाला' लिखा जो उन्हें कामयाबी के शिखर तक लेकर गया.

इस प्रकार अंजान का फिल्मी करियर यूँ तो 1960 के दशक में शुरू हुआ, लेकिन उन्हें असली पहचान 1970 और 1980 के दशक में मिली. उन्होंने कई बड़े संगीतकारों और गायकों के साथ काम किया, जिनमें किशोर कुमार, लता मंगेशकर और मोहम्मद रफ़ी प्रमुख हैं. इसी प्रकार उन्होंने ओ पी नैयर, शंकर जयकिशन, बप्पी लाहिड़ी,आर. डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और राजेश रोशन जैसे दिग्गजों के साथ मिलकर एक से बढ़कर एक गीत दिए, विशेष रूप से उन्होंने कल्याणजी-आनंदजी और बप्पी लाहिड़ी के साथ मिलकर कई सुपरहिट गीत रचे, 70 और 80 के दशक में अनजान साहब ने सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की फिल्मों के लिए कई यादगार गीत लिखे. अमिताभ अभिनीत, अनजान साहब के गीतों से सजी कुछ सुपर हिट फ़िल्में हैं - 'गंगा की सौगंध', 'हेराफेरी', 'खून पसीना', 'डॉन', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'नमक हलाल', 'शराबी', 'याराना', 'महान', 'दो और दो पांच ', 'लावारिस' आदि. अपने कॅरियर में कुल मिलाकर उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1,500 से अधिक यादगार गीत लिखे.

अनजान के लिखे गीतों में भावनाओं की गहराई और आम बोलचाल की भाषा का सुंदर मिश्रण देखने को

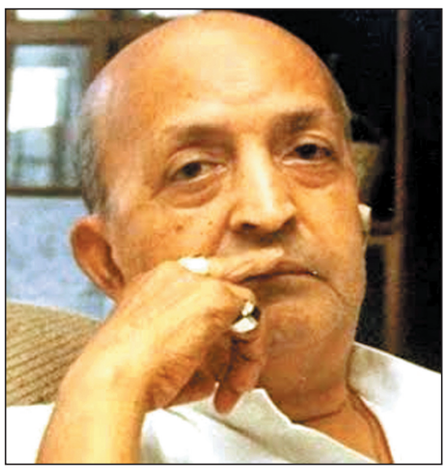

मिलता है. उनके गीतों से सजी अन्य प्रमुख फ़िल्में हैं 'बहारें फिर भी आएंगी', 'डिस्को डांसर', 'साहेब', 'संजोग', 'फूल बने अँगारे', 'शोला और शबनम', 'घायल', 'दाता', 'ज़िन्दगी एक जुआ', 'दलाल', 'आज का अर्जुन' आदि .

उनके प्रमुख गीतों में 'आपके हसीन रुख पे आज बड़ा नूर है' (बहारें फिर भी आएंगी) , 'खइके पान बनारस वाला' (डॉन), 'रोते हुए आते हैं सब' (मुकद्दर का सिकंदर), 'पग घुंघरू बांध' (नमक हलाल), 'चल मुसाफिर तेरी मंज़िल दूर', 'तूने हर रात मुहब्बत की कसम खाई है' (गंगा की सौगंध), 'इंतहा हो गई इंतज़ार की', 'मंज़िलें अपनी जगह हैं', 'दे दे प्यार दे प्यार दे, 'मुझे नौलखा मंगा दे रे ओ सैंया दीवाने' (शराबी), 'जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारो', 'कबके बिछड़े हुए हम आज कहाँ आ के मिले' (लावारिस), 'छूकर मेरे मन को किया तूने', 'सारा ज़माना हसीनों का दीवाना', 'तेरे जैसा यार कहाँ', 'तू रूठा दिल टूटा, मेरे यार को मना दे' (याराना), 'प्यार में दिल पे मार दे गोली' (महान), 'आई एम ए डिस्को डांसर' (डिस्को डांसर) 'गोरी हैं कलाइयाँ' (आज का अर्जुन), 'प्यार बिना चैन कहाँ रे' (साहेब), तू पागल प्रेमी आवारा(शोला और शबनम) आदि शामिल हैं .

अनजान के गीतों में उत्तर भारतीय लोक संस्कृति और भोजपुरी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है. उन्होंने उर्दू के भारी-भरकम शब्दों के बजाय सरल हिंदी और देशज शब्दों का प्रयोग किया, जिससे उनके गीत आम आदमी की जुबान पर चढ़ गए. वे केवल 'मसाला' गीतों के माहिर नहीं थे, बल्कि उन्होंने 'आपके हसीन रुख पे आज बड़ा नूर है' (बहारें फिर भी आएंगी), 'दिल तो है दिल ', 'ओ साथी रे ', 'सलामे इश्क़ मेरी जान' (मुकद्दर का सिकंदर) और 'यशोदा का नंदलाला' (संजोग) जैसे भावपूर्ण गीत और 'जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है' जैसे फ़िलोसिफिकल गीत भी लिखे.

अंजान के गीतों की खासियत यह थी कि वे श्रोताओं के दिल को सीधे छूते थे. उनके शब्दों में बनारसी रंग, लोक-संस्कृति और जीवन की सादगी झलकती थी. उन्हें अपने शहर बनारस और गंगा मईया से बहुत ही प्यार था. जब भी वह बनारस जाते थे तो गंगा जी में जरूर नहाते थे और बाबा विश्वनाथ के दर्शन करते थे. उन्होंने फिल्म 'गंगा की सौगंध' में गंगा मइया पर एक यादगार गीत 'मानो तो मैं गंगा मां हूं ना मानो तो बहता पानी' भी लिखा था. 13 सितंबर 1997 को अनजान साहब इस फानी दुनिया से रुख़सत हो गए. उनके बेटे प्रसिद्ध गीतकार समीर ने पिता की विरासत को आगे बढ़ाया और गीतकार के तौर पर खूब नाम कमाया है .

अनजान साहब आज भी अपने उन गीतों के माध्यम से जीवित हैं और हमारी हर पीढ़ी को उत्सव और गम के वक़्त में साथ देते हैं. गीतकार अंजान ने अपने शब्दों से हिंदी फिल्म संगीत को नई ऊंचाइयाँ दीं. उनकी रचनाएँ आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेंगी, हिंदी सिनेमा में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा.

आज के लिये इतना ही,अगले हफ्ते फिर मुलाक़ात होगी, तब तक अनजान साहब का फ़िल्म 'गंगा की सौगंध' का ये मोटिवेशनल गीत सुनिए और हमेशा मोटिवेटेड रहिये, आनंदित रहिये, खुश रहिये.

चल मुसाफ़िर तेरी मंजिल दूर है तो क्या हुआ
आज तेरा पाँव थक कर चूर है तो क्या हुआ
चल मुसाफ़िर चल

ये धुआं ये धुंधली राहे ये अंधेरो की घुटन
इन अंधेरों से लिपटी है उजाले की किरण
वो किरण गर आज तक बेनूर है तो क्या हुआ
चल मुसाफ़िर चल

जिंदगी से जो न हारे वो सँवारे ज़िन्दगी
ठोकरें खाकर ही बनता आदमी है आदमी
आजमाइश का यही दस्तूर है तो क्या हुआ
चल मुसाफ़िर चल

तेरे माथे के पसीने में है गंगा की लहर
तेरी मेहनत से जमीं पे स्वर्ग आएगा उतर
कर्म योगी नाम से मजदूर है तो क्या हुआ
चल मुसाफ़िर चल

सिद्धांत का बर्थडे म्यूजिकल गिफ्ट 'रहना' रिलीज

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने जन्मदिन को इस बार एक खास और रचनात्मक अंदाज़ में मनाते हुए फैंस को यादगार सरप्राइज़ दिया. उन्होंने अपना ओरिजिनल म्यूजिक सिंगल 'रहना' रिलीज़ किया है, जिसे उन्होंने डॉवगीक के साथ मिलकर तैयार किया है. बड़े पर्दे पर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले सिद्धांत ने इस बार म्यूजिक के ज़रिए अपनी एक नई पहचान सामने रखी है, जो उनके फैंस के लिए काफी खास साबित हो रही है.

'रहना' सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि सिद्धांत की निजी भावनाओं और उनके भीतर के कलाकार की झलक है. लिखने और कविता के प्रति उनके गहरे लगाव ने इस ट्रैक को जन्म दिया है. गाने के बोल बेहद संवेदनशील और दिल को छू लेने वाले हैं, जो रिश्तों, एहसासों और ठहराव की खूबसूरती को बयां करते हैं. इसकी सॉफ्ट और मेलोडियस धुन श्रोताओं को एक शांत और भावनात्मक अनुभव देती है, जो लंबे समय तक मन में बनी रहती है.

इस गाने की खास बात यह भी है कि इसे उनके जन्मदिन के मौके पर रिलीज़ किया गया, जिससे इसकी अहमियत और बढ़ जाती है.

जहां आमतौर पर सेलेब्रिटीज़ इस दिन को सेलिब्रेशन और पार्टी के साथ मनाते हैं, वहीं सिद्धांत ने इसे कुछ अलग और अर्थपूर्ण बनाने का फैसला किया. उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी कला का एक ऐसा हिस्सा साझा किया, जो बेहद पर्सनल और सच्चा है.

डॉवगीक के साथ उनकी यह म्यूजिकल कोलैबोरेशन भी काफी दिलचस्प है, जिसमें दोनों की क्रिएटिविटी का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है. म्यूजिक, लिरिक्स और फील—तीनों का संतुलन इस ट्रैक को खास बनाता है और इसे आज के यूथ के साथ भी जोड़ता है. गौरतलब है कि 'रहना' न सिर्फ सिद्धांत चतुर्वेदी की क्रिएटिव वर्सेटिलिटी को दर्शाता है, बल्कि उनके आर्टिस्टिक सफर के एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत भी करता है. एक्टिंग के बाद अब म्यूजिक में कदम रखकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह एक मल्टी-टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं, जो अलग-अलग माध्यमों के ज़रिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करना जानते हैं.

फैंस भी उनके इस नए अवतार को काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर 'रहना' को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं.

ऋचा चड्ढा ने गोवा में सीखा बेली डांस

बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा एक बार फिर अपने पुराने शौक बेली डांस से जुड़ रही हैं. ऋचा चड्ढा ने इस बार गोवा में पांच दिन का एक खास ट्रेनिंग कोर्स किया, जिससे इस डांस फॉर्म को और गहराई से समझ सकें.

कुछ साल पहले, एक फिल्म के लिए खास डांस नंबर की तैयारी के दौरान, ऋचा ने कज़ाखस्तान में इंटरनेशनल एक्सपर्ट ओल्गा मेओस से ट्राइबल बेली डांस सीखा था,जो शुरुआत में सिर्फ एक रोल की तैयारी थी, वह धीरे-धीरे उनका शौक बन गया. यह डांस फॉर्म अपने कठिन कोर वर्क और शरीर के सटीक मूवमेंट्स के लिए जाना जाता है, जिसने उनकी फिटनेस और क्रिएटिव एक्सप्रेशन दोनों में मदद की. बाद में उन्होंने मुंबई की ट्रेनर शैना लेबाना के साथ भी अपनी प्रैक्टिस जारी रखी.

लॉकडाउन के दौरान भी ऋचा ने ऑनलाइन क्लासेस के ज़रिए अपनी ट्रेनिंग जारी रखी और डांस से जुड़ी रहीं. बेली डांस के अलावा, वह कथक में भी ट्रेंड हैं और बचपन में करीब 10 साल तक उन्होंने पंडित अभय शंकर मिश्रा से ट्रेनिंग ली है.

काम की वजह से कुछ समय के लिए बेली डांस से दूर रहने के बाद, अब ऋचा ने फिर से इस डांस फॉर्म से गहराई से जुड़ने का फैसला किया है. गोवा में किया गया यह कोर्स उनके इस नए सफर की शुरुआत है, जो पूरी तरह उनके अपने शौक और सीखने की चाह से प्रेरित है.

अपने इस फैसले के बारे में ऋचा ने कहा, 'डिलीवरी के करीब 6-7 महीने बाद मैंने फिर से डांस शुरू किया. मैंने दीपीका विजय से संपर्क किया, क्योंकि वह बहुत अच्छी टीचर हैं. जो शुरुआत में पोस्टपार्टम फेज में थेरेपी के तौर पर बेली डांस को समझने से शुरू हुआ था, वह अब मेरे लिए एक बड़ा शौक बन गया है. कुछ साल के ब्रेक के बाद मुझे लगा कि मुझे फिर से इसे पूरे मन से सीखना चाहिए. गोवा में किया गया यह कोर्स किसी रोल या परफॉर्मेंस के लिए नहीं है, बल्कि सिर्फ अपने लिए है सीखने, आगे बढ़ने और इस कला से दोबारा प्यार करने के लिए.'

इस नए जुनून के साथ ऋचा चड्ढा एक बार फिर यह साबित करती हैं कि उनका सफर सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि लगातार सीखने, अनुशासन और कला के प्रति उनके प्यार से जुड़ा हुआ है.

टेलीविजन हलचल

अनुपमा में मां-बेटी का बड़ा टकराव

अनुपमा के आने वाले एपिसोड्स में ड्रामा अपने चरम पर पहुंचने वाला है. कहानी में एक ऐसा मोड़ आएगा, जहां रिश्तों की नींव हिलती नजर आएगी. राही, जो अब तक अपने रिश्ते को संभालने की कोशिश कर रही थी, इस बार पूरी तरह टूटती और गुस्से में नजर आएगी. दरअसल, घटनाओं की शुरुआत तब होती है जब अनुपमा एक बड़ा फैसला लेते हुए 'अनु की रसोई' को बंद कर देती है और सावी के सपने को पूरा करने के लिए 'डियर जिंदगी' कैफे शुरू करती है. यह कदम भले ही अनुपमा के लिए सही हो, लेकिन राही इसे अपने खिलाफ मान लेती है. उसे लगता है कि उसकी मां ने उसकी खुशियों और उसके घर-परिवार से ज्यादा किसी और के सपनों को महत्व दिया है. गुस्से में भरी राही सीधे कैफे पहुंचती है और वहां जमकर हंगामा करती है. वह तोड़फोड़ करते हुए अनुपमा पर अपने दिल का सारा दर्द निकालती है. राही के शब्द बेहद कड़े होते हैं—वह कहती है कि उसकी शादीशुदा जिंदगी बिखर रही है और इसकी वजह सिर्फ अनुपमा हैं. यह आरोप सुनकर अनुपमा स्तब्ध रह जाती है और उसे समझाने की कोशिश करती है कि उसने जो किया, किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि किसी और की मदद के लिए किया.

'दीवानी मस्तानी' से मनसिमरन संधू की वापसी

पंजाबी म्यूजिक में अपने बढ़ते प्रभाव के साथ अमेरिका स्थित गायक-गीतलेखक, मनसिमरन संधू ने वापसी करते हुए अपना लेटेस्ट सिंगल, दीवानी मस्तानी पेश किया है. इस ट्रैक में वो एक बहुत ही निजी एहसास लेकर आए हैं और बता रहे हैं कि किसी के प्यार में पूरी तरह डूब जाने पर कैसा महसूस होता है. यह एक ऐसी स्थिति होती है, जब प्यार कोई एहसास नहीं रह जाता है, बल्कि आपकी पूरी दुनिया बन जाता है. इस गाने को लिखने वाले और कंपोज करने वाले खुद मनसिमरन हैं. इसका निर्माण हितेन ने किया है. इस गाने में मधुर धुनों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली लय है. धीरे-धीरे गाने की तीव्रता बढ़ती जाती है और यह एक गहरे एवं लगभग पूरी तरह से आध्यात्मिक अनुभव में बदल जाता है. दीवानी मस्तानी के मूल में प्यार का एक ऐसा रोमांटिक अंदाज है, जो बिल्कुल काल्पनिक महसूस होता है, लेकिन फिर भी इस एहसास को खुद से दूर नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसके एक-एक क्षण में असीम शांति का अनुभव मिलता है.

शीजान खान बोले दर्शकों ने दिल जीत लिया

टीवी का लोकप्रिय शो 'गंगा माई की बेटियां', जिसमें शीज़ान खान एवं अमनदीप सिद्धू लीड रोल में नजर आ रहे हैं, अपनी दिलचस्प कहानी के साथ दर्शकों को लगातार बांधे हुए है. शो में इस वक्त सिद्धू एवं स्नेहा के अलगाव वाला ट्रैक सबसे ज्यादा चर्चा में है. हाल के एपिसोड्स में दिखाया गया कि स्नेहा अपने रिश्ते से ज्यादा अपने सपनों को चुनते हुए सिद्धू से अलग होने का फैसला करती है. इसके बाद सिद्धू का टूटना, उसका दर्द एवं उसकी बेबसी ने दर्शकों के दिल को गहराई से छुआ है.

मई में होगा 'लकी मैन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

जी एक्शन पर कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'लकी मैन', का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, एक मई को शाम 7.30 बजे होगा.

इस फिल्म में अपने खास अंदाज से मनोरंजन करने वाले 'योगी बाबू' नजर आएंगे. बालाजी वेणुगोपाल द्वारा निर्देशित और थिंक स्टूडियोज़ के बैनर तले निर्मित लकी मैन एक फ़ील-गुड कॉमेडी पारिवारिक ड्रामा है, जो ईमानदारी, माता-पिता बनने की जिम्मेदारियों और भौतिक किस्मत की धारणा जैसे विषयों को छूती है. रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी कहानी के साथ, फ़िल्म हल्के-फुल्के पलों और सार्थक जीवन संदेशों के बीच संतुलन बनाती है, और ऐसी सच्ची भावनाओं को सामने लाती है जो हर उम्र के दर्शकों से जुड़ती हैं.

फ़िल्म में मुरुगन के किरदार को योगी बाबू ने अपने शानदार अभिनय से जीवंत कर दिया है. उनकी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अपनी किस्मत बदलने की कोशिश में जुटे एक आम इंसान की मानवीय झलक इस किरदार को बेहद प्यारा और दर्शकों से जुड़ा हुआ बना देती है. वहीं, वीरा अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस के ज़रिए कहानी में गहराई और प्रभाव जोड़ते हैं, जबकि रायचल राबेक्का अपने सहज और ज़मीन से जुड़े अभिनय के माध्यम से पारिवारिक कहानी में अपनापन और दिल की गर्माहट भर देती हैं.

सभी कलाकार अपनी सशक्त अदायगी से कहानी में कई रंग भरते हैं और इसके भावनात्मक तथा हल्के-फुल्के अंदाज़ को और भी प्रभावशाली बनाते हैं. जब मुरुगन, जो खुद को हमेशा बदकिस्मत मानता है, एक प्रतियोगिता के जरिए कार जीतता है, तो उसे लगता है कि उसकी बदकिस्मती का दौर अब खत्म हो गया है. लेकिन सब कुछ तब बदल जाता है, जब वह 'लकी' कार चोरी हो जाती है. इसके बाद अपनी कार वापस पाने के लिए मुरुगन को मजबूरी में एक ऐसे पुलिस अधिकारी का सामना करना पड़ता है, जिससे उसकी पुरानी टकरार रही है.

आगामी सीरीज़ लुख्खे का ट्रेलर रिलीज

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज़ लुक्खे का ज़बरदस्त और रोमांच से भरपूर ट्रेलर रिलीज कर दिया है. इस सीरीज़ का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है और इसका निर्माण विपुल डी. शाह और राजेश बहल ने ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले किया है. इसे एग्रीम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने बनाया है और यह उनके ही द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस भी की गई है. इस सीरीज़ में मुख्य भूमिकाओं में राशि खन्ना और किंग हैं.जहाँ किंग, जो एक प्रशंसित भारतीय रैपर, गीतकार और सिंगर हैं, इस शो के साथ अपना अभिनय डेब्यू कर रहे हैं. इसके अलावा पलक तिवारी (जो भी अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्षवीर सिंह सारण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे. सीरीज़ में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे. यह आठ एपिसोड की सीरीज़ आठ मई को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर हिंदी में भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज़ होगी.

कार्तिक आर्यन का 'कमबैक ईयर' होगा 2027

कार्तिक आर्यन के लिए 2027 कई मायनों में खास साबित हो सकता है. पिछले कुछ समय से उनकी फिल्मों को जिस तरह का रिस्पॉन्स नहीं मिल पाया, उसके बाद अब उनकी आने वाली परियोजनाओं पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं. खास बात यह है कि अगले साल उनकी तीन अलग-अलग जॉनर की फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो उनके अभिनय के अलग-अलग पहलुओं को सामने ला सकती हैं.

इनमें सबसे पहले चर्चा हो रही है फिल्म 'नागजिला' की, जो वैलेंटाइन वीकेंड के दौरान रिलीज की जाएगी. इस फिल्म में कार्तिक एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं. बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में वीएफएक्स और प्रोडक्शन पर खास ध्यान दिया जा रहा है, जिसके चलते इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ाया गया था.

इसके बाद 'कैप्टन इंडिया' भी लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है. कई बार टलने के बाद अब इस फिल्म की रिलीज 2027 में तय मानी जा रही है. इस फिल्म में कार्तिक एक देशभक्ति से जुड़े किरदार में नजर आएंगे, जो उनके करियर के लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण कदम हो सकता है.

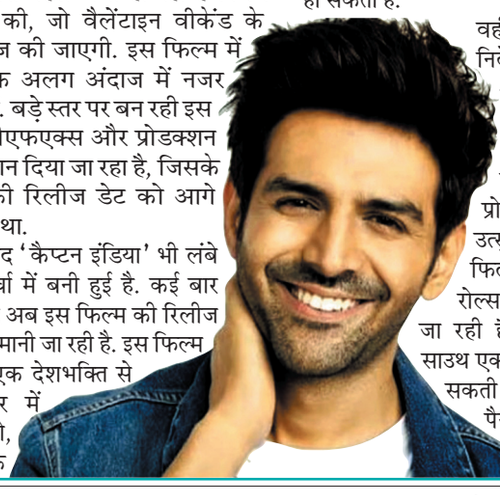

वहीं, अनुराग बसु के निर्देशन में बन रही एक अनाम म्यूजिकल ड्रामा फिल्म भी उनकी लाइनअप में शामिल है. इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्सुकता है, क्योंकि यह फिल्म उनके अब तक के रोल्स से काफी अलग बताई जा रही है. इसमें उनके साथ साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला नजर आ सकती हैं, जिससे फिल्म का पैन-इंडिया अपील भी बढ़ जाता है.

सोशल मीडिया बनी नेहा की कमाई मशीन

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों फिल्मों से ज्यादा अपने डिजिटल अवतार को लेकर सुर्खियों में हैं. बड़े पर्दे पर सीमित सफलता हासिल करने के बावजूद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत मौजूदगी के दम पर एक नया रास्ता बना लिया है.

खासतौर पर इंस्टाग्राम पर शुरू किया गया उनका एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन मॉडल चर्चा का विषय बन गया है. नेहा शर्मा का यह नया डिजिटल कदम इस बात का संकेत है कि आज के दौर में कलाकार सिर्फ फिल्मों या टीवी तक सीमित नहीं रह गए हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, खासकर इंस्टाग्राम , अब एक ऐसा मंच बन चुका है जहां से सेलेब्रिटीज़ न सिर्फ अपनी पहचान बनाए रखते हैं बल्कि अच्छी-खासी कमाई भी कर सकते हैं.

नेहा शर्मा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक्सक्लूसिव सब्सक्रिप्शन फीचर लॉन्च किया है, जिसकी कीमत करीब 290 रुपये प्रति महीने रखी गई है. इस सब्सक्रिप्शन के जरिए उनके फैंस को खास फोटो, वीडियो, स्टोरीज और पर्सनल अपडेट्स देखने को मिलते हैं, जो आम यूजर्स के लिए उपलब्ध नहीं होते.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हजारों लोग इस सब्सक्रिप्शन को खरीद चुके हैं, जिससे उनकी मासिक कमाई लाखों रुपये तक पहुंच रही है.दिलचस्प बात यह है कि जहां पहले सेलेब्रिटीज़ की कमाई का मुख्य जरिया फिल्में, ब्रांड एंडोर्समेंट और इवेंट्स हुआ करते थे, वहीं अब यह ट्रेंड तेजी से बदल रहा है.